167342

No. of Printed Pages : 7

MESE-058

MASTER OF EDCUATION (M. Ed.)
Term-End Examination
June, 2019

MESE-058 : EDUCATIONAL AND VOCATIONAL GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss the nature and role of guidance at the secondary and senior secondary level of schooling. Differentiate guidance from counselling.

   Or

   How qualitative and quantitative techniques differ in terms of the various characteristics ? Explain with examples.

2. Answer the following question in about **600** words :

"Adolescence is a stage of emotional turmoil." Discuss the statement with the educational implications in view of various developmental aspects that take place during adolescence.

Or

Discuss the planning of a school guidance programme at the secondary stage. Why is planning important at this stage ?

3. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

(a) Differentiate between qualitative and quantitative modes of inquiry.

(b) Characteristics of an anecdotal record.

(c) Uses of a sociometric test.

(d) Uses of a group guidance.

(e) Points/issues to be covered in a career talk.

(f) Dealing with children with behavioural problems.

4. Answer the following question in about 600 words :

As a teacher, you might have been engaged in various aspects of guidance programme in your school. On the basis of your experience construct a questionnaire for students for evaluating the school guidance services.

एम. ई. एस. ई.-058

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम. एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम. ई. एस. ई.-058 : शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन और परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा स्तर पर मार्गदर्शन की प्रकृति और भूमिका की चर्चा कीजिए। मार्गदर्शन, परामर्श से किस प्रकार भिन्न है ?

अथवा

विविध विशिष्टताओं (characteristics) के सम्बन्धों में (in terms of) गुणात्मक और मात्रात्मक तकनीकें किस प्रकार भिन्न हैं ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

"किशोरावस्था एक संवेगात्मक अशांति/उथल-पुंथल (Turmoil) की अवस्था है।" किशोरावस्था के दौरान घटित होने वाले विविध विकासात्मक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए (in view of) शैक्षिक निहितार्थों सहित इस कथन की चर्चा कीजिए।

अथवा

माध्यमिक स्तर पर विद्यालय मार्गदर्शन कार्यक्रम की योजना की चर्चा कीजिए। इस स्तर पर योजना महत्वपूर्ण क्यों है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए :

(क) गुणात्मक और मात्रात्मक जाँच की विधि (inquiry) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) वृत्तान्त अभिलेख (Anecdotal Record) की विशिष्टतायें।

(ग) समाजमितीय परीक्षण (Sociometric Test) के प्रयोग।

(घ) समूह मार्गदर्शन (Group Guidance) के प्रयोग।

(ङ) जीवनवृत्ति वार्ता (कैरियर टॉक Career Talk) के अन्तर्गत आने वाले बिन्दु/मुद्दे (issues) ।

(च) व्यावहारिक समस्याओं वाले बच्चों को निपटाना (dealing with)।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक शिक्षक के रूप में आप अपने विद्यालय में मार्गदर्शन कार्यक्रम के विविध पहलुओं से अवश्य ही सम्बद्ध रहे होंगे। अपने अनुभव के आधार पर विद्यालय मार्गदर्शन सेवाओं के मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों के लिए एक प्रश्नावली का निर्माण कीजिए।